राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

देहरादून दिनांक 03 दिसम्बर, 2011

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा से एरोमेटिक प्लान्टस ग्रोवरस एशोसिएशन ऑफ इण्डिया, उत्तराखण्ड के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा भेंट की। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में सगन्ध पौधों की खेती एक प्रकार से वरदान साबित हो रही है। क्योंकि बन्दर, व जंगली सुअर आदि जानवर इन्हें कम नुकसान पहुचाते हैं।

राज्यपाल ने भी माना कि पहाड़ों में बन्दरों व जंगली सुअरों से फसल को नुकसान होने के कारण लोग खेती नहीं कर पा रहे हैं, जिससे पलायन बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए सगन्ध पौधों व जड़ी बूटी के उत्पादन पर ध्यान देना होगा। संगन्ध पौधों को जंगली जानवर कम नुकसान पहुॅचाते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में औद्यानिकी के विकास से किसानों की आर्थिकी मजबूत होगी और पलायन रोकने में भी मदद मिलेगी।

एशोसएिशन के अध्यक्ष विवेक भारती शर्मा द्वारा राज्यपाल को सगन्ध पौध उत्पादकों की विभिन्न समस्याओं से सम्बन्धित मांग पत्र भेंट करते हुए अनुरोध किया गया कि राज्य के लगभग 10 हजार किसान सगन्ध पौधों के उत्पादन से जुड़े हैं। पिछले तीन वर्षों से अनुदान न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि जड़ी बटी शोध संस्थान द्वारा जड़ी बूटी उत्पादकों को तो सुविधाएं दी जा रही हैं, जबकि सगन्ध पौध उत्पादकों के साथ भेदभाव कर उन्हें हतोत्साहित किया जा रहा है। इसी के साथ उनके द्वारा हर्वल सेक्टर के पुनर्गठन एवं जड़ी बूटी शोध एवं विकास संस्थान द्वारा बरती गई प्रशासनिक एवं वित्तीय अनियमितताओं की जांच का अनुरोध भी किया गया।

राज्यपाल द्वारा कास्तकारों की समस्याओं के निराकरण के संबंध में शीघ्र कार्यवाही हेतु एशोसिएशन द्वारा प्रेषित मांग पत्रों को मुख्यमंत्री को सन्दर्भित करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान की अपेक्षा की है।

————0————

देहरादून दिनांक 03 दिसम्बर, 2011

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा से प्रसिद्ध कलाकार एवं दून आर्ट सोसाइटी की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती मोनिका तालुकदार ने भेंट की। ज्ञातव्य है कि राजभवन आडिटोरियम में हेल्पेज इण्डिया के सहयोग से प्रसिद्ध कलाकार **मोनिका तालुकदार** की तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्यपाल द्वारा बृहस्पतिवार 01 दिसम्बर को किया गया था, जिसका आज (शनिवार) अन्तिम दिन था।

————0————

सूचना अधिकारी श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड टेली फैक्स 0135–2756172